मेरे बाबा मेरे मालिक | By Rohit Dinesh Mishra

मेरे बाबा मेरे मालिक मैं मांगू जो मुझे देना
मरुँ तेरे दर की चौखट पर मुझे अपना बना लेना
मेरे बाबा मेरे मालिक.....

लगाएं भोग तू जब भी मुझे थाली बना देना
करूँ शीतल तेरी जिभ्या मुझे पानी बना देना
हटाना ना तू नज़रो से मुझे ऐसे छुपा लेना
मेरे बाबा मेरे मालिक.....

कभी काजल कभी कुण्डल कभी मुरली बना देना
संवारो बाल तुम जब भी मुझे कंघी बना देना
रहूं राज़ी रज़ा में मैं मुझे पावन बना देना
मेरे बाबा मेरे मालिक.....

तुझे खुशबू से महका दूँ मुझे वो इत्र बना देना
तुझे शीतल हवा दूंगा चंवर डोरी बना देना
लिपट जाऊं तेरे सीने मुझे बाघा बना देना
मेरे बाबा मेरे मालिक.....

भिखारी हूँ तेरे दर का मुझे ये भीख दे देना
तेरे प्रेमी के चरणों की मुझे बस धूल दे देना
चरण रज चूम लूँ रोहित मुझे काबिल बना देना
मेरे बाबा मेरे मालिक.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%ac%e0%a4%be-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%ae%e0%a4%be%e0%a4%b2%e0%a4%bf%e0%a4%95-by-rohit-dinesh-mishra/